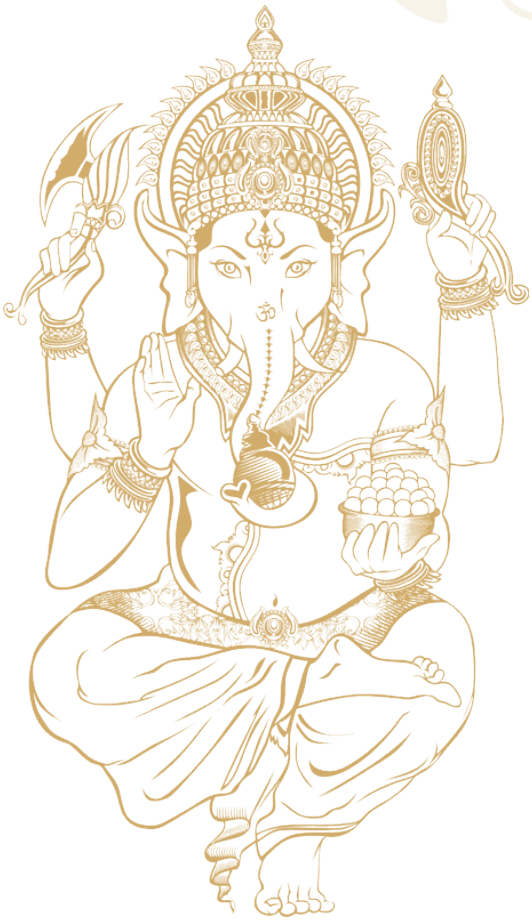

Ajay verma

07 Apr 1965

04:51 AM

Bulandshahr

Model: Varshphal-2017

Order No: 119745301

तिथि 07/04/1965 **समय** 04:51:00 **वार** बुधवार **स्थान** Bulandshahr **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:22:01
अक्षांश 28:30:00 उत्तर **रेखांश** 77:49:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:18:44 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	17:32:24 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:02:14 घं	योनि	सर्प
सूर्योदय	06:03:56 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	18:39:03 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2022	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1887	वर्ग	मृग
मास	चैत्र	युँजा	पूर्व
पक्ष	शुक्ल	हंसक	भूमि
तिथि	6	जन्म नामाक्षर	वे-वेद
नक्षत्र	मृगशिरा	पाया(रा.-न.)	लौह-स्वर्ण
योग	सौभाग्य	होरा	चंद्र
करण	कौलव	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 3मा 2दि
बुध
10/07/2023
09/07/2040

बुध	05/12/2025
केतु	02/12/2026
शुक्र	02/10/2029
सूर्य	09/08/2030
चन्द्र	08/01/2032
मंगल	04/01/2033
राहु	25/07/2035
गुरु	30/10/2037
शनि	09/07/2040

योगिनी
संकटा 6वर्ष 0मा 2दि
उल्का
09/04/2022
09/04/2028

उल्का	10/04/2023
सिद्धा	09/06/2024
संकटा	09/10/2025
मंगला	09/12/2025
पिंगला	09/04/2026
धान्या	09/10/2026
भ्रामरी	09/06/2027
भद्रिका	09/04/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			26:48:58	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			23:34:12	मीन	रेवती	3	बुध	मंगल	मित्र राशि	1.62	भ्रातृ	पितृ	प्रत्यारि
चंद्र			26:39:22	वृष	मृगशिरा	1	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण	1.45	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल	व		16:25:20	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि	1.71	ज्ञाति	भ्रातृ	वध
बुध	व	अ	26:19:41	मीन	रेवती	3	बुध	गुरु	नीच राशि	0.90	अमात्य	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			03:17:01	वृष	कृतिका	2	सूर्य	शनि	शत्रु राशि	1.05	कलत्र	धन	मित्र
शुक्र		अ	22:13:47	मीन	रेवती	2	बुध	चंद्र	उच्च राशि	1.13	मातृ	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			18:51:47	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण	1.29	पुत्र	आयु	सम्पत
राहु			22:03:31	वृष	रोहिणी	4	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु			22:03:31	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	सूर्य	मित्र राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

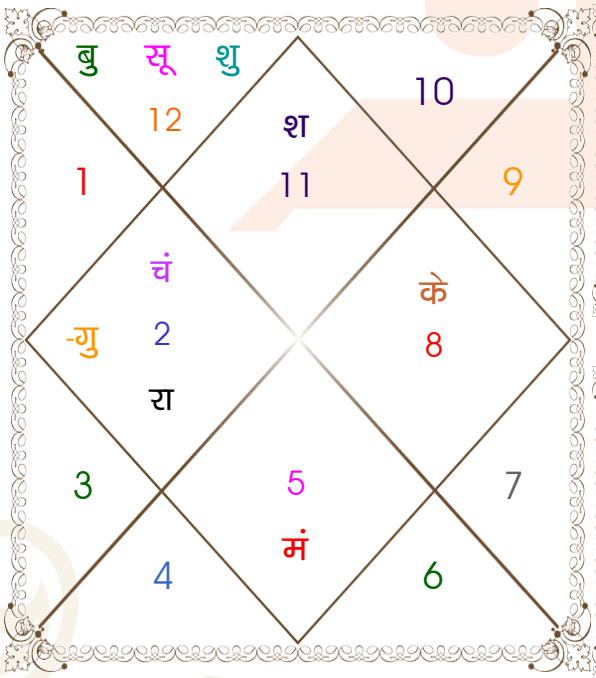

चन्द्र कुंडली

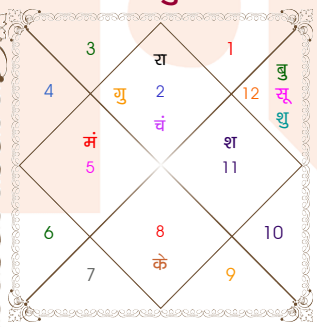

नवमांश कुंडली

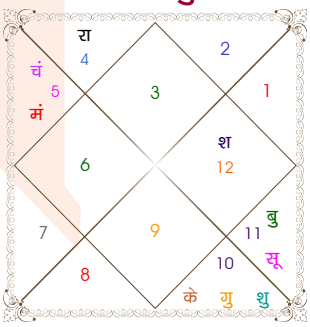

सर्वाष्टकवर्ग

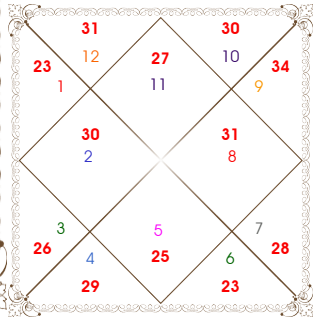

दशमांश कुंडली

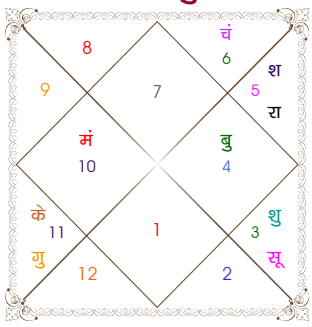

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा अपने संसारिक कार्यो को आप परिश्रम पूर्वक सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी यदा कदा अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेगी। मित्र एवं संबंधियों से इस समय आपके संबंध मध्यम रहेंगे तथा उनसे आपको अल्प मात्रा में ही लाभ एवं सहयोग मिलेगा। साथ ही संतति पक्ष से भी आपको न्यूनाधिक सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा परन्तु उनसे आप विशेष सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। इस समय आपके रूके हुए कार्य भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा आशाएं भी न्यूनाधिक मात्रा में ही पूर्ण होंगी। इस समय आपको भौतिक सुख संसाधन भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होंगे साथ ही न्यूनाधिक मात्रा में वाहन सुख की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा परिश्रम से ही आपको व्यापार में उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही यदा कदा लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या कार्य क्षेत्र में उन्नति में इस समय विलम्ब होगा एवं विरोधी या शत्रु अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष वरिष्ठ नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनसे लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी इस समय मध्यम रहेगा तथा आर्थिक स्थिति भी सामान्य रहेगी। साथ ही व्ययाधिक्य से यदा कदा आर्थिक परेशानी होगी। अतः वर्ष में शुभ फल प्राप्त करने के लिए परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों तथा वृतियों के सम्पन्न करने में विशेष रूचि का प्रदर्शन अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सामान्य सफलता आर्जित होगी तथा आपको काफी परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ेगा।साथ ही आपके सौभाग्य में वृद्धि तो होगी परन्तु इसका प्रभाव अल्प मात्रा में रहेगा तथापि किसी महत्वपूर्ण कार्य में आपको सफलता मिल ही जाएगी। इस समय सामान्य रूप से आपको भौतिक सुख संसाधन भी प्राप्त होंगे परन्तु उनका उपभोग आप मध्यम रूप से कर सकेंगे। इसके साथ ही किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय की भी संभावना रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक आप इसमें उन्नति एवं लाभ अर्जित कर सकेंगे। नौकरी या राजनीति में भी आपके उन्नतिमार्ग प्रशस्त होंगे परन्तु इसमें किंचित विलम्ब की संभावना रहेगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप संबध स्थापित करेंगे तथा समय समय पर उनसे न्यूनाधिक सहयोग अर्जित करते रहेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य तथा मानसिक संकल्प पूर्ण होने की संभावना बनेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आपको सामान्य सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए परिश्रम तथा संघर्ष पूर्ण होकर किंचित सुख प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

प्रथम मास

07/04/2025 14:05:56 से 08/05/2025 08:24:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	24:31:26
सूर्य		मीन	रेवती	23:34:12
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:43:08
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	01:35:10
बुध	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:37:00
गुरु		वृष	रोहिणी	22:47:28
शुक्र	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:04:09
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:02:04
राहु		मीन	पू०भाद्रपद	03:06:26
केतु		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:06:26
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:48:58

मासाधिपति

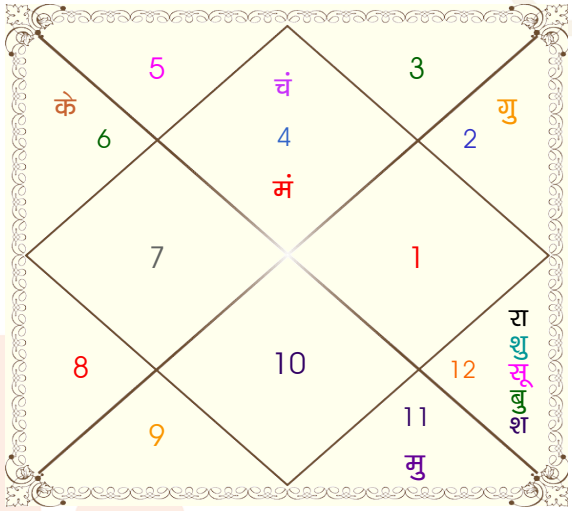

मासाधिपति : शुक्र

इस समय आपको शत्रुओं से भय एवं चिन्ता बनी रहेगी साथ ही घर में चोरी होने की भी सम्भावना रहेगी। इस समय आपका अनावश्यक रूप से व्यय होगा एवं धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में न्यूनता आएगी। शारीरिक रूप से भी आप विभिन्न प्रकार से कष्टानुभूति करेंगे परिणामतः आपके बल में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप घर से दूर किसी यात्रा को सम्पन्न कर सकते हैं। सांसारिक कार्यो में भी इस समय आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी के कारण बुखार आदि से भी कष्टानुभूति करेंगे। इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

द्वितीय मास

08/05/2025 08:24:11 से 08/06/2025 13:14:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	06:51:45
सूर्य		मेष	भरणी	23:34:12
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:42:18
मंगल		कर्क	पुष्य	14:43:26
बुध		मेष	अश्विनी	01:51:54
गुरु		वृष	मृगशिरा	28:36:45
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:26:52
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:20:07
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:08:03
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:08:03
मुंथा		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:18:58

मासाधिपति

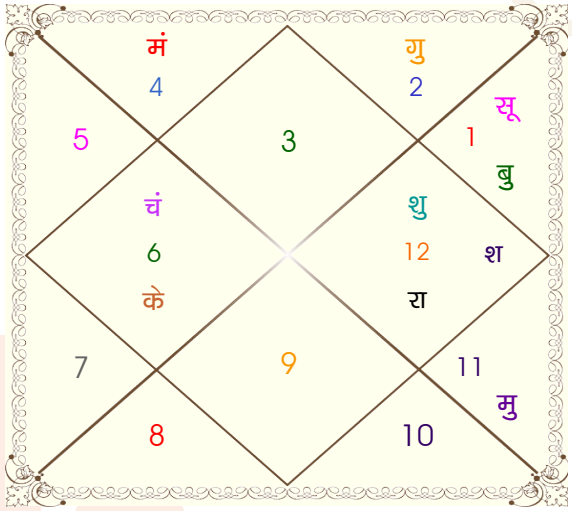

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्णरूपेण संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। साथ ही घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में भी अभिवृद्धि होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप यथोचित सम्मान तथा पूजन करेंगे। समाज में इस समय आपके यश की वृद्धि होगी एवं भाग्योदय सम्बंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा एवं यात्रा से आप पूर्ण लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। सरकारी या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान अर्जित करेंगे। इस समय मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा सर्वत्र माननीय एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य अशुभ फल भी होंगे। जिसके कारण आप वात रोग से पीड़ित हो सकते हैं या किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते हैं जिससे आपकी प्रतिष्ठा प्रभावित होगी एवं बाद में आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक धन हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानीपूर्वक कार्यो को सम्पन्न करें।

तृतीय मास

08/06/2025 13:14:30 से 09/07/2025 23:41:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:34:27
सूर्य		वृष	मृगशिरा	23:34:12
चन्द्र		तुला	विशाखा	20:16:10
मंगल		सिंह	मघा	00:47:41
बुध		मिथुन	मृगशिरा	04:29:38
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	05:26:07
शुक्र		मेष	अश्विनी	07:54:33
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:43:17
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:28:05
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:28:05
मुंथा		मीन	पू०भाद्रपद	01:48:58

मासाधिपति

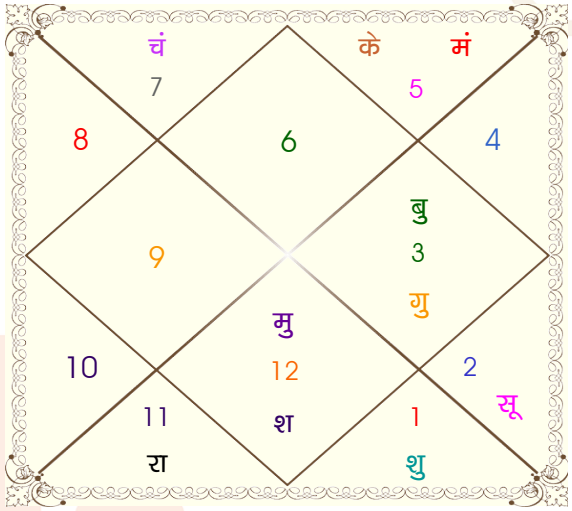

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास

09/07/2025 23:41:03 से 10/08/2025 09:07:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	17:52:17
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	23:34:12
चन्द्र		धनु	मूल	10:37:54
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:40:22
बुध		कर्क	आश्लेषा	18:37:16
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	12:35:20
शुक्र		वृष	रोहिणी	11:27:00
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:42:36
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:06:55
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	26:06:55
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	04:18:58

मासाधिपति

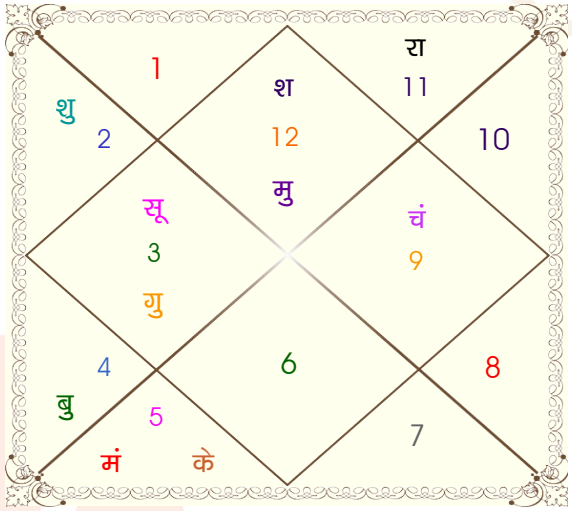

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पंचम् मास
10/08/2025 09:07:35 से 10/09/2025 11:15:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:44:45
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	23:34:12
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	03:57:09
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:45:59
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:06:33
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:25:13
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	17:24:30
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:04:34
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:17:59
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:17:59
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	06:48:58

मासाधिपति

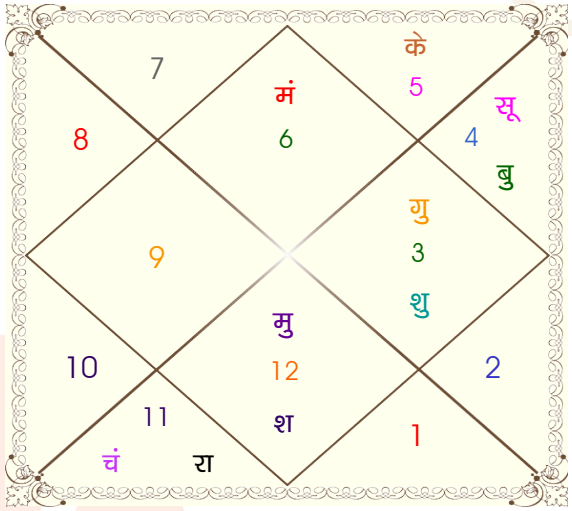

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं से भी चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्न रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में भी न्यूनता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आपकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मन में लोलुपता के भाव की प्रधानता रहेगी। अपने बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक तनाव तथा वैमनस्य का भाव बना रहेगा। साथ ही इस समय आपके मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद होते रहेंगे जिससे आप काफी दुःखी एवं अशान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी एवं बाद में पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन हानि का योग बनता है अतः सोच समझकर अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

10/09/2025 11:15:46 से 11/10/2025 01:56:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	01:04:32
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:34:12
चन्द्र		मीन	रेवती	27:05:06
मंगल		कन्या	चित्रा	27:44:23
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:36:49
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:14:50
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	24:29:09
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:08:14
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:04
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:04
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	09:18:58

मासाधिपति

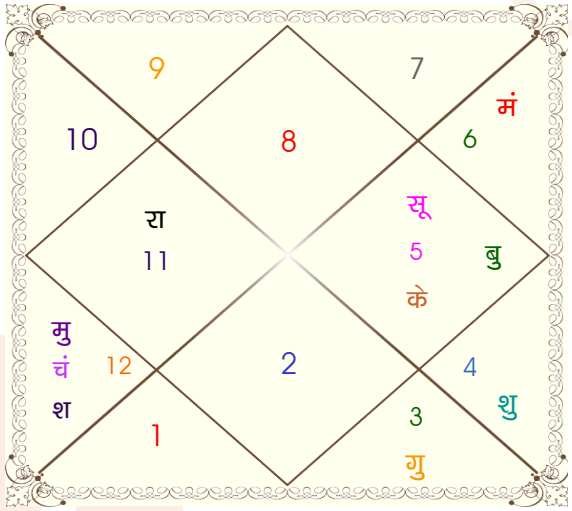

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
11/10/2025 01:56:44 से 10/11/2025 04:15:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	25:48:58
सूर्य		कन्या	चित्रा	23:34:12
चन्द्र		वृष	रोहिणी	15:10:48
मंगल		तुला	स्वाति	18:24:13
बुध		तुला	स्वाति	11:56:14
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:19:42
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:01:06
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:49:16
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:47:23
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:47:23
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	11:48:58

मासाधिपति

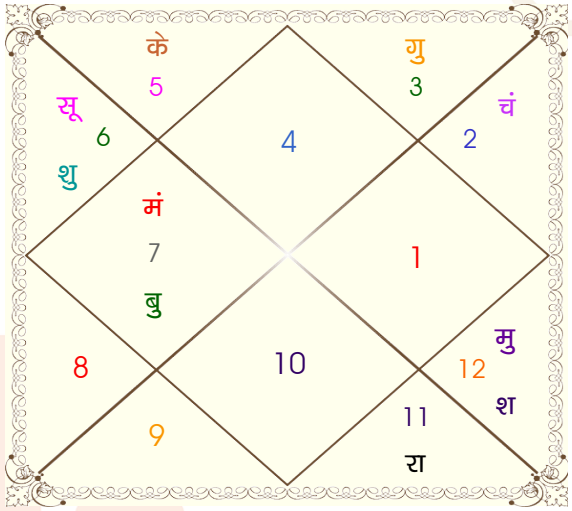

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
10/11/2025 04:15:12 से 09/12/2025 20:32:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	22:02:39
सूर्य		तुला	विशाखा	23:34:12
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:50:54
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	09:40:02
बुध	व	वृश्चिक	अनुराधा	12:38:27
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:42
शुक्र		तुला	स्वाति	09:32:38
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:13:53
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:59:12
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:59:12
मुंथा		मीन	उ०भाद्रपद	14:18:58

मासाधिपति

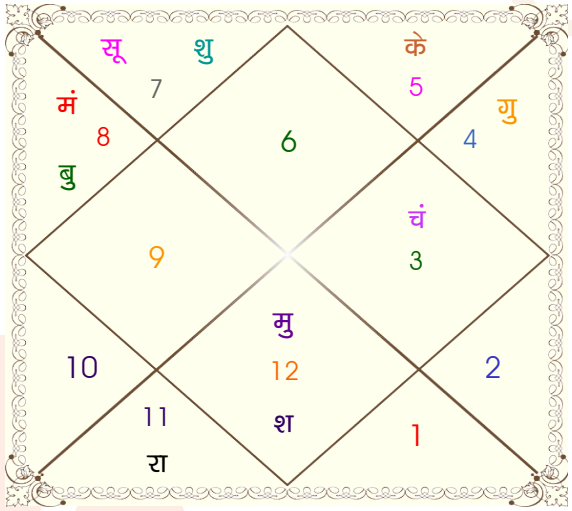

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

नवम् मास
09/12/2025 20:32:28 से 08/01/2026 07:39:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	06:55:55
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:34:12
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	26:44:02
मंगल		धनु	मूल	01:30:15
बुध		वृश्चिक	विशाखा	03:03:05
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:39:35
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:49:37
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:03:19
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:52:28
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:52:28
मुंथा		मीन	रेवती	16:48:58

मासाधिपति

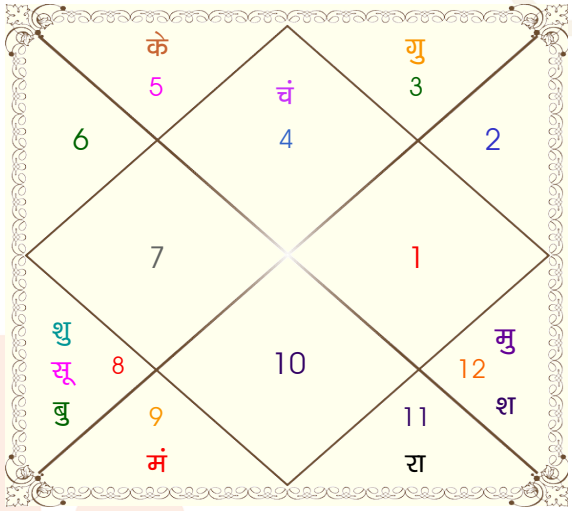

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
08/01/2026 07:39:26 से 06/02/2026 19:41:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:28:31
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:34:12
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:06:48
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:54:57
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:23:45
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:11:32
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:54:16
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:23:47
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:03:53
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:03:53
मुंथा		मीन	रेवती	19:18:58

मासाधिपति

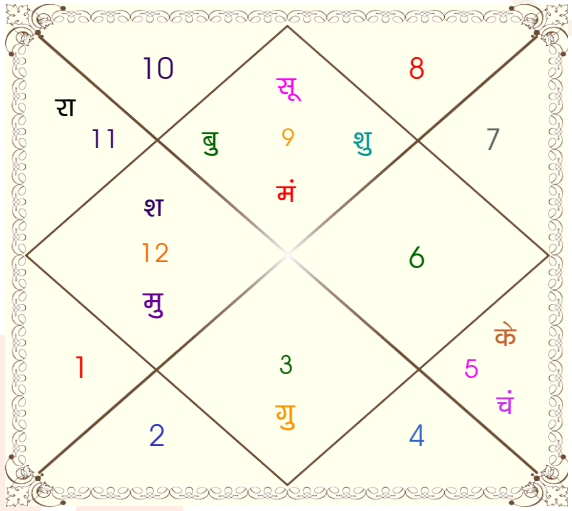

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास

06/02/2026 19:41:16 से 08/03/2026 14:30:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:52:02
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	23:34:12
चन्द्र		कन्या	हस्त	20:53:33
मंगल		मकर	श्रवण	16:53:08
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	05:08:45
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:32:51
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	00:57:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:58:58
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:51:51
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:51:51
मुंथा		मीन	रेवती	21:48:58

मासाधिपति

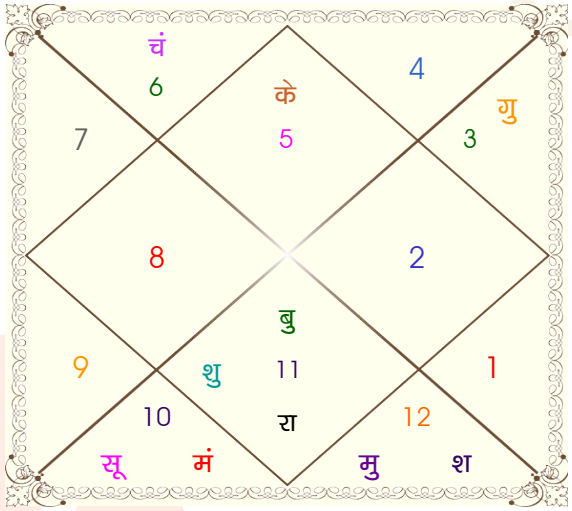

मासाधिपति : गुरु

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास

08/03/2026 14:30:17 से 07/04/2026 20:20:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	04:18:46
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:34:12
चन्द्र		तुला	विशाखा	20:29:34
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	10:19:48
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:43:36
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:52:31
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	08:10:20
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:23:23
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:42:02
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:42:02
मुंथा		मीन	रेवती	24:18:58

मासाधिपति

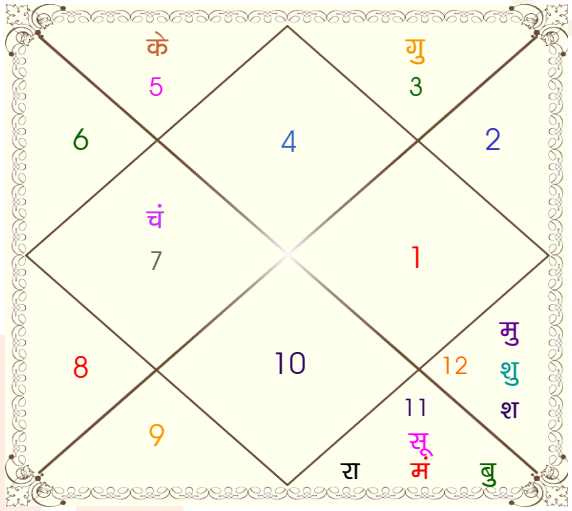

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।